







## लेळा <u>इस्</u>रो संभातिक स्थाप हेर्द्र हिन्द्र

क्षित्र अर्ज देव वर्जातक गामरित्र माम मक्षमध्य

प्रत्रेष आर<sup>8</sup>४० उम. प्रति आरख्ट ऋ४० सरहरू

चारक किमाय रिजा गाजियर मी महत्वित

व्याग्यस्थित १८०४ . से १८ ४ प्रति विचार का मध्य हो साथ स्थाप अराज मध्य प्रति प

हमिश्रमा हुण्यान आर्ण ८:४० छेर स्थान

विषयाप्रसार्वेद्यात्रार सर्वेद गि र्म्डम्स ,र<u>्</u>याचे उन्न , र<u>्या</u>स १५ ज्ञारी अभ मध्य मध्य

अभिमर पद्गाण्य

गाया अहमा अविषेत : प्रीयागिय स प्रस्कृत अविष

ः प्रेंशः स्राः । एर्रास्कृतः, स्रात्तीर्जामः प्रान्धः स्रातसर्वारः उद्याहिमण्टर

र गारेक प्रामाधीएकर : प्रोम. प्रमः. ल्येक्टर्श रह

पाउम क्रिमण रिष्णार भाजवस्त्रीय मञ्जविद

: लुडागायम् स्ट्रिट्स अभारता अस्त

अध्ययस्त्रीय मञ्ज्वीचर अर्थण मण्य हत पारस्म रिज्ञ

ः लोस्तिकेटेश्वास लेख्यिहेटे सर्हा

सर्वज्ञें हरा है गाहितिहोसार प्रारमस्य जनस्त्रमा मञ्जानर

क्रीए५ प्रेक्षेत ः प्रेरुणातम विभाग सार्थि, रण्टान राज्यान सार्वित क्रासेन

- पाज्यार राज्ये पाज्या -

सँवास प्याप्तीक ज्वेवविनेन वृद्धाराजितिक तसकाराजीम उत्प्रोक स्वीतरोस्य ट्यार्रावाण्डल एवाण स्रेर्गल एन्ट्राप्रमा









## Sahitya Akademi, New Delhi

in collaboration with

Iramdam Meeyamgi Apunba Khorjei Lup (IMAKHOL)

Cordially invites you to

Literary Forum on

Life and Works of Khuraijam Nimaicharan

on Sunday 29 May, 2022

1:30 pm

At Manipur Press Club, Majorkhul, Imphal

Welcome &

Key Note Address : N. Kirankumar, Convenor, Manipuri Advisory Board.

Presidential Speech: Ch. Chandrakala

Chair : RK. Gunachandra, Critic and Columnist

: RK. Sanahanbi Chanu **Papers** 

Work and life of Kh. Nimaicharan

: Sh. Achou Sharma

Kh. Nimaicharan as a Lyricst.

: Sh. Shantibala Devi

Kh. Nimaicharan and 2nd World War

**Vote of Thanks** : Wahengbam Romen Meetei

**General Secretary IMAKHOL** 

- Tea Break -